

लक्ष्मी पोटली

पूजा, रखने की जगह और रखरखाव

01 पूजा से पहले

पोटली भरी हुई और डोरियों से बंद आती है। कुछ वस्तुएँ पोटली के अंदर अलग पैकेटों में होती हैं।

1. बाहरी पैकिंग हटाएँ

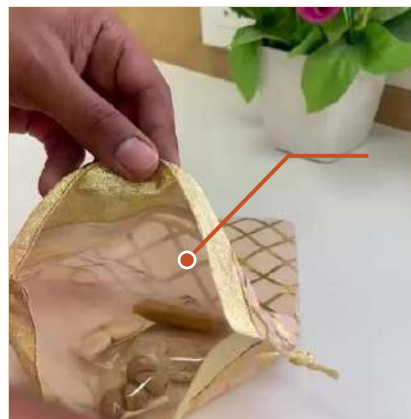
डिलीवरी की बाहरी पैकिंग हटाएँ। अंदर के पैकेट पूजा में ज़रूरत पड़ने पर ही खोलें।

2. पोटली ऐसे खोलें

पूजा के लिए पोटली खोल सकते हैं। इसे सूखी थाली पर रखकर ऊपर की डोरियाँ ढीली करें।



भरी हुई पोटली



पोटली का खुला मुँह और अंदर के पैकेट

21 की गिनती में क्या शामिल है?

पैक में 21 तरह की पूजा वस्तुएँ हैं, 21 टुकड़े नहीं। कपड़े की पोटली इस गिनती में शामिल नहीं है।

नग (टुकड़े)

कौड़ी और सुपारी
5 नग = 5 टुकड़े

जोड़ी

लक्ष्मी चरण
1 जोड़ी = 2 चरण

ग्राम (वजन)

अक्षत: 10 ग्राम
चावल का वजन

मीटर (लंबाई)

मौली: 1 मीटर
धागे की लंबाई

02

लक्ष्मी पूजा में पोटली का उपयोग



लक्ष्मी-गणेश के पास पोटली
पोटली की फोटो से बना चित्र।

1. बंद पोटली रखें

लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति या तस्वीर के पास पोटली रखें। इसे सूखी थाली या चौकी पर दीपक से दूर रखें।

2. ज़रूरत के पैकेट खोलें

पूजा में ज़रूरत हो तो अक्षत, सुपारी या हल्दी निकालें। बाकी पैकेट बंद रहने दें।

3. पूजा और आरती के बाद

बिना इस्तेमाल की साफ, सूखी वस्तुएँ पोटली में वापस रखें। गीले फूल और भोजन पोटली में न डालें।

पूजा के लिए ये चीजें अलग से रखें

- फूल और फल
- दीपक और रूई की बत्तियाँ
- थाली, कटोरियाँ और चम्मच
- भोग या प्रसाद
- तेल या घी
- लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति या तस्वीर

पूजा में रोली, चंदन या कपूर चाहिए तो इन्हें भी अलग से लें। ये वस्तुएँ हमारी दीवाली पूजा किट में मिलती हैं।

लक्ष्मी मंत्र

ॐ श्री महालक्ष्म्यै नमः।

अर्थ: माँ महालक्ष्मी को प्रणाम।

03

पूजा के बाद पोटली कहाँ रखें



मंदिर में

सूखी शेल्फ या चौकी पर पोटली रखें।
जलते दीपक से दूरी रखें।



घर की तिजोरी में

पोटली के लिए अलग कोना चुनें। इसके
ऊपर डिब्बे या फाइलें न रखें।



दुकान की दराज या अलमारी में

दराज या अलमारी के एक कोने में
पोटली रखें। पैसे निकालते समय इसे
बार-बार न हटाएँ।

पोटली की फोटो से बने चित्र: रखने की जगह के उदाहरण।

दुकान में केवल यूपीआई से पैसे आते हों तो?

दुकान के मंदिर, दराज या बंद अलमारी में पोटली रखें। नकदी
रखने का डिब्बा होना ज़रूरी नहीं है।

गाँठ किस दिशा में होनी चाहिए?

इस पोटली की गाँठ के लिए कोई तय दिशा नहीं है। मंदिर या
तिजोरी के लिए अपने घर की परंपरा मानें।

सफाई के समय पोटली हटा सकते हैं?

हाँ, सफाई करते समय पोटली सूखी जगह पर रखें। शेल्फ या दराज
सूखने के बाद इसे वापस रखें।

तिजोरी के अंदर दीपक, धूप या कपूर न जलाएँ। पोटली को आग से दूर रखें।

04

पोटली का रखरखाव

पानी या गुलाब जल डालना चाहिए?

पोटली में पानी या गुलाब जल न डालें। इससे भोजपत्र, बीज और मसाले खराब हो सकते हैं।

कपड़े की पोटली फट जाए तो?

कपड़े की फटी पोटली बदल दें। साफ, सूखी वस्तुएँ नई पोटली में रख दें।

हर दीवाली नई पोटली लेना ज़रूरी है?

हर दीवाली नई पोटली लेना ज़रूरी नहीं है। फटा कपड़ा या खराब वस्तुएँ बदलें और घर की परंपरा मानें।

भोजपत्र और तेजपत्ता कैसे रखें?

भोजपत्र और तेजपत्ता सपाट रखें। इन्हें मोड़ें नहीं और ऊपर भारी चीजें न रखें।

सामान गीला हो जाए या फफूंद लगे तो?

गीला सामान निकालकर खाली पोटली पूरी तरह सुखाएँ। फफूंद लगी या कीड़ों वाली वस्तुएँ बदल दें।

इन वस्तुओं को खा सकते हैं?

ये वस्तुएँ खाने या खाना बनाने के लिए नहीं हैं। भोग और प्रसाद के लिए खाने योग्य चीजें अलग से लें।

॥ शुभम् भवतु ॥

लक्ष्मी पोटली

लक्ष्मी पोटली ऑर्डर करें

घर, ऑफिस या दुकान की पूजा के लिए पोटली मँगाएँ।
फूल, फल, भोग और दीपक अलग से लें।



ऑर्डर के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

[satvikly.com/product/
laxmi-potli/](https://satvikly.com/product/laxmi-potli/)

व्हाट्सऐप / फोन

+91 931 178 0821